[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5344 **G**

Unique Paper Code : 12277505

Name of the Paper : Political Economy – I

Name of the Course : **B.A. (Honours) Economics (DSE)**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer any **one** question (**15** marks) from **Section A** and any **three** questions (**20** marks each) from **Section B.**
3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. खंड क से किसी एक प्रश्न (15 अंक) का उत्तर दें और खंड ख से किन्हीं तीन प्रश्नों (प्रत्येक के लिए 20 अंक) का उत्तर दें।

3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Section A (15 marks each) – Answer any one.

खंड क (प्रत्येक के लिए 15 अंक) - किसी एक का उत्तर दें।

1. Discuss the causes of decline of feudalism in Western Europe. Did capitalism arise immediately as an internal logical culmination of this process?

   पश्चिमी यूरोप में सामंतवाद के पतन के कारणों की विवेचना कीजिए। क्या इस प्रक्रिया की आंतरिक तार्किक परिणाम के रूप में तुरंत पूंजीवाद का उदय हुआ?

2. What is meant by the term "fictitious capital"? Explain its role in the contemporary global economy and particularly in the systemic crisis that broke out in 2008.

"काल्पनिक पूंजी" शब्द का क्या अर्थ है? समकालीन वैश्विक अर्थव्यवस्था और विशेष रूप से 2008 में उत्पन्न प्रणालीगत संकट में इसकी भूमिका की व्याख्या करें।

3. Discuss the nature of contemporary finance capital and compare it with finance capital that Lenin conceptualised in his work on imperialism. What are the general consequences of the current globalisation of finance capital and particularly what are the possible implications for the third world countries?

समकालीन वित्त पूंजी की प्रकृति पर चर्चा करें और इसकी तुलना उस वित्तीय पूंजी से करें जिसकी अवधारणा लेनिन ने साम्राज्यवाद पर अपने काम में की थी। वित्त पूंजी के वर्तमान वैश्वीकरण के सामान्य परिणाम क्या हैं और विशेष रूप से तीसरी दुनिया के देशों के लिए संभावित प्रभाव क्या हैं?

Section B (20 marks each) – Answer any three.

खंड ख (प्रत्येक के लिए 20 अंक) - किसी तीन का उत्तर दें।

4. Describe the structure and components of a social system in Marx's formulation. Provide some instances of the application of the dialectical method in the analysis of social transformations.

मार्क्स के सूत्रीकरण में एक सामाजिक व्यवस्था की संरचना और घटकों का वर्णन करें । सामाजिक परिवर्तनों के विश्लेषण में द्वन्द्वात्मक पद्धति के प्रयोग के कुछ उदाहरण दीजिए ।

5. What determines the value of labour power? In what way is it both similar to and different from the determination of value of any other commodity in capitalism? What are the sources of actual changes of the value of labour power? How is the value of labour power related to surplus value? Explain the concepts relative and absolute surplus value.

श्रम शक्ति का मूल्य क्या निर्धारित करता है? यह किस प्रकार पूंजीवाद में किसी अन्य वस्तु के मूल्य के निर्धारण के समान और भिन्न है? श्रम शक्ति के मूल्य में वास्तविक परिवर्तन के स्रोत क्या हैं? श्रम शक्ति का मूल्य अधिशेष मूल्य से किस प्रकार संबंधित है? सापेक्ष और पूर्ण अधिशेष मूल्य की अवधारणाओं की व्याख्या करें।

6. What is the significance of the right to private property for the functioning of the capitalist system? Explain what Robert Heilbroner means by the "negative form of power" implicit in it and its relevance. Is the right to private property akin to the usufruct rights? Explain.

पूंजीवादी व्यवस्था के कामकाज के लिए निजी संपत्ति के अधिकार का क्या महत्व है? स्पष्ट करें कि इसमें निहित "शक्ति के नकारात्मक रूप" से रॉबर्ट हीलब्रोनर का क्या अर्थ है और इसकी प्रासंगिकता समझाएऐं। क्या निजी संपत्ति का अधिकार सूदखोरी के अधिकार के समान है? समझाऐं।

7. Why did Schumpeter characterise competition under capitalism as the 'perennial gale of creative destruction'? Explain. Discuss his critique of the neoclassical approach in this context particularly elaborating on his views on "perfect competition" and its efficiency claims.

शुम्पीटर पूंजीवाद के तहत प्रतिस्पर्धा को 'रचनात्मक विनाश की बारहमासी आंधी' के रूप में कैसे चित्रित करता है? समझाऐं। इस संदर्भ में उनके द्वारा नवशास्त्रीय दृष्टिकोण की आलोचना पर चर्चा करें जिसमें विशेष रूप से "पूर्ण प्रतिस्पर्धा" और उसकी कार्यक्षमता के दावों पर उनके विचारों पर चर्चा करें।

8. Do you agree that unemployment is a structural feature of capitalist economies? Explain the views of Marx and Kalecki on this.

क्या आप सहमत हैं कि बेरोजगारी पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं की एक संरचनात्मक विशेषता है? इस पर मार्क्स और कलेच्की के विचारों की व्याख्या कीजिए।

9. Explain "underconsumption crisis" with respect to consumption demand. Does introduction of investment demand alter the basic premise of the theory? Can Keynesian demand management strategies be a long-term solution to the possibility of occurrence of crisis in capitalism?

उपभोग मांग के संबंध में "अल्प उमभोग संकट" की व्याख्या करें। क्या निवेश मांग की शुरूआत सिद्धांत के मूल आधार को बदल देती है? क्या कीनेसियन मांग प्रबंधन रणनीतियाँ पूंजीवाद में संकट की संभावना का दीर्घकालिक समाधान हो सकती हैं?

10. Do you think that capitalism is essentially a 'self-ordering' system? Why does Heilbroner feel that capital cannot exist even for a day, without the active support of the state?

क्या आपको लगता है कि पूंजीवाद अनिवार्य रूप से एक 'स्व-व्यवस्थित' प्रणाली है? हेइलब्रोनर को ऐसा क्यों लगता है कि राज्य के सक्रिय समर्थन के बिना पूंजी का अस्तित्व एक दिन के लिए भी मौजूद नहीं रह सकता है?